हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 23 देहरादून, सोमवार, 11 जुलाई, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

देश प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है : सतपाल महाराज 3

भूस्खलन ने रोकी बदरीनाथ के यात्रियों की राह, कई जगह रोके गए एक हजार यात्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बार-बार मलबा आने से बंद हो रहा बदरीनाथ हाईवे यात्रियों के लिए मुसीबत बन गया है। यहां खचड़ा नाले के साथ ही कई अन्य जगहों पर शुक्रवार से बंद बदरीनाथ हाईवे रविवार शाम को खोल दिया गया था, जिससे यात्रियों ने राहत की सांस ली थी, लेकिन देर शाम सात बजे हाईवे लामबगड़ में बंद हो गया। ऐसे में करीब 1000 यात्रियों को यात्रा पड़ाव पांडुकेश्वर, गोविंदघाट, जोशीमठ में ही रोक दिया गया।

बीते शुक्रवार रात 11 बजे भारी बारिश के दौरान बदरीनाथ हाईवे रड़ांग बैंड, बैनाकुली और खचड़ा नाले में मलबा और बोल्डर आने से बंद हो गया था। ऐसे में यहां सैकड़ों यात्री फंस गए थे, जबकि कुछ पैदल यात्रियों को सीढ़ी लगाकर वैकल्पिक रास्ते से दूसरी ओर भेजा गया। रविवार को शाम करीब चार बजे खचड़ा नाले में मलबा हटाने के बाद हाईवे को सुचारु किया गया, जिसके बाद जोशीमठ, पांडुकेश्वर और गोविंदघाट में रोके गए करीब 2500 तीर्थयात्रियों व स्थानीय श्रद्धालुओं को बदरीनाथ धाम भेजा गया। जबकि करीब 3000 तीर्थयात्री बदरीनाथ से अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए।

वहीं देर शाम को सात बजे हाईवे लामबगड़ में मलबा आने से फिर बंद हो गया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी ने बताया कि रविवार दोपहर तक मौसम सामान्य होने के बाद खचड़ा नाले में मलबा गिरने का सिलसिला थमाए जिसके बाद यहां जेसीबी से मलबा हटाया गया। अब लामबगड़ में मलबा और पत्थर आने से हाईवे बंद हो गया है। हाईवे खोले जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

देश की सलामती और तरक्की के लिए दुआओं में उठे हाथ

देहरादून। देश के अन्य राज्यों की तरह उत्तराखंड में भी ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार अकीदत और खुलूस के साथ मनाया गया। शहर और देहात क्षेत्रों में ईदगाह के साथ ही तमाम मस्जिदों में नमाज अदा की गई। रब की बारगाह में मुल्क की सलामती, अमनो-अमान और तरक्की की दुआएं मांगी गईं। नमाज के बाद कुर्बानी कर पैगंबर हजरत इब्राहिम की सुन्नत अदा की गई। ईद को लेकर पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद रहा। रविवार को ईद-उल-अजहा के त्योहार को लेकर लोगों में उत्साह बना हुआ था। ईदगाह में ईद की नमाज सुबह नौ बजे मौलाना अब्दुल वाहिद ने अदा कराई।

सांसत में रही विधायक किशोर उपाध्याय की जान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू आज उत्तराखंड प्रवास पर रहेंगी। देहरादून पहुंचकर वह सबसे पहले कचहरी स्थित शहीद स्थल पर राज्य आंदोलनकारी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। इसके बाद सीएम आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में भाजपा सांसदों, विधायकों से साथ बैठक करेंगी। संसदीय कार्यमंत्री एवं वित्त मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने भाजपा के सभी 47 विधायकों और लोकसभा व राज्यसभा के सभी आठ सांसदों से बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने को कहा है। उन्होंने कहा कि एनडीए से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू सोमवार को सुबह दस बजे जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचेंगी।

यहां पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन कौशिक समेत सभी सांसद व संगठन के पदाधिकारी स्वागत के लिए मौजूद रहेंगे। इसके बाद कलेक्ट्रेट स्थित शहीद स्थल पर द्रौपदी मुर्मू शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करेंगी। अग्रवाल ने बताया कि सीएम आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में 11 बजकर 15 मिनट पर द्रौपदी मुर्मू सांसदों और विधायकों के साथ बैठक करेंगी। उन्होंने पार्टी के सभी विधायकों व सांसदों से बैठक में उपस्थित होने को कहा है।

गुरु कोश्यारी ने शिष्य धामी को दी फूलों भरी बधाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कभी पहाड़ कि राजनीति के दिग्गज चाणक्य रहे मौजूदा राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के साथ राजनीति और सियासी सफर की बारीकियां सीखने वाले करिश्माई मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शायद ही कभी सोचा होगा कि बेहद कम समय में एक ऐसा भी दिन आएगा जब उनके गुरु अपने शिष्य से एक मुख्यमंत्री के तौर पर मिलने मुख्यमंत्री आवास पर यूं गुलदस्ता लेकर आएंगे। शनिवार को ये तस्वीर मुख्यमंत्री आवास से बाहर आई जब गुरु कोश्यारी अपने प्रिय और कामयाब शिष्य धामी से मिलने उनके सरकारी आवास यानी मुख्यमंत्री आवास पहुँचे थे। आपको बता दें कि एक समय ऐसा रहा है जब मौजूदा महामहिम राज्यपाल कोश्यारी की विशेष टीम में सीएम धामी की खास भूमिका रही है। और वही वो दौर था जब गुरु ने अपने शिष्य को कामयाब और लोकप्रिय होने का सबक पढ़ाया था।

राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू आज आएंगी देहरादून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू आज उत्तराखंड प्रवास पर रहेंगी। देहरादून पहुंचकर वह सबसे पहले कचहरी स्थित शहीद स्थल पर राज्य आंदोलनकारी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। इसके बाद सीएम आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में भाजपा सांसदों, विधायकों से साथ बैठक करेंगी।

संसदीय कार्यमंत्री एवं वित्त मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने भाजपा के सभी 47 विधायकों और लोकसभा व राज्यसभा के सभी आठ सांसदों से बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने को कहा है। उन्होंने कहा कि एनडीए से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू सोमवार को सुबह दस बजे जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचेंगी।

यहां पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन कौशिक समेत सभी सांसद व संगठन के पदाधिकारी स्वागत के लिए मौजूद रहेंगे। इसके बाद कलेक्ट्रेट स्थित शहीद स्थल पर द्रौपदी मुर्मू शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करेंगी। अग्रवाल ने बताया कि सीएम आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में 11 बजकर 15 मिनट पर द्रौपदी मुर्मू सांसदों और विधायकों के साथ बैठक करेंगी। उन्होंने पार्टी के सभी विधायकों व सांसदों से बैठक में उपस्थित होने को कहा है।

उत्तराखंड में बारिश आई, गर्मी गायब आफत लाई

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

शुरू हो गया है उत्तराखंड में ज़ोरदार बारिश का सिलसिला , पहाड़ से लेकर राजधानी देहरादून की नदियों तक तेज़ रफ़्तार बहती जलधारा बता रही है कि कितनी तेज़ है पहाड़ों में बारिश। लेकिन इसी के साथ सामने आ रही है आफत और मुसीबत जिसने पर्यटकों , श्रद्धालुयों और स्थानीय लोगों के सामने बड़ी चुनौती पैदा करनी शुरू कर दी है।

मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के पूर्वानुमान के अनुसार राजधानी देहरादून सहित गढ़वाल और कुमाऊं के कई जिलों में भारी बारिश जारी है, जिस कारण मैदानी इलाकों में जहां कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति देखने को मिल रही है. ऋषिकेश बदरीनाथ हाईवे के साथ कई ग्रामीण सड़कें जगह-जगह पर मलबा आने के कारण बंद पड़ी है. भारी बारिश को देखते हुए शासन और सभी जिलों के प्रशासन अलर्ट पर हैं. बारिश के कारण बंद सडकों को खोलने का प्रयास किया जा रहा है...

अब बात चमोली जनपद की करें तो में ऋषिकेश बदरीनाथ हाईवे बंद है. उत्तरकाशी में 8 ग्रामीण सड़कें, देहरादून जिले में एक हाइवे, दो राज्य मार्ग और एक मुख्य जिला मार्ग सहित 22 ग्रामीण सड़कें बंद हैं. पौड़ी में दो राज्य मार्ग, एक जिला मार्ग और 13 ग्रामीण सड़कें बंद हैं.उत्तराखंड में बारिश का कहर.अल्मोड़ा में 5 ग्रामीण सड़कें, चंपावत में 2 ग्रामीण सड़के, रुद्रप्रयाग में मयाली तिलवाड़ा राज्य मार्ग पुल क्षतिग्रस्त होने के कारण 8 ग्रामीण सड़कें बंद हैं. टिहरी में 5 ग्रामीण सड़कें, नैनीताल में 3 ग्रामीण सड़कें, बागेश्वर में 33 ग्रामीण सड़कें, पिथौरागढ़ में एक बॉर्डर सहित 14 ग्रामीण सड़कें बंद हैं. तो उत्तरकाशी और पिथौरागढ़ जनपद में 11 केवी की लाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण 12 गांव की बिजली आपूर्ति बाधित है....

वही राजधानी देहरादून में पहली ज़ोरदार बारिश ने ही नदियों में उफान ला दिया है। शुक्रवार शाम से शुरू हुयी भारी बारिश के चलते कई शहर के तमाम स्थानों पर सड़कें जलमग्न हो गई हैं, जिस कारण लोगों को आवाजाही में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. शहर में ड्रेनेज सिस्टम की उचित व्यवस्था न होने के कारण दोपहिया वाहन चालकों को सबसे ज्यादा दिक्कतें हो रही हैं...

न्यूज़ वायरस आपसे अपील करता है कि मौसम की जानकारी लेकर ही आप अपनी यात्राओं का कार्यक्रम निर्धारित करें क्योंकि प्रशासन और राज्य सरकार ने जो एडवाइजरी दी है उसके मुताबिक आप रोजाना मौसम की ताज़ा अपडेट लेकर ही पहाड़ों का रुख करें। हो सके तो मौसम खराब होने पर सुरक्षित स्थान पर रुक कर मौसम साफ़ होने का इंतज़ार ज़रूर करें।

बदल गया हमारे तिरंगे का फ्लैग कोड, अब सस्ता मिलेगा राष्ट्रीय ध्वज

फ़िरोज़ आलम गाँधी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देश की शान , हिंदुस्तान की पहचान और हर दिल में बसने वाली आन है तिरंगा ...... इसी से जुडी बड़ी खबर आयी है भारत सरकार के हवाले से जो आपको भी जानना ज़रूरी है। देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मोदी सरकार 'आजादी के अमृत महोत्सव' का आयोजन कर रही है। इसी के तहत 'हर घर तिरंगा' अभियान भी ज़ोर शोर से चलाया जाएगा। लिहाज़ा अब सरकार ने भारतीय झंडा संहिता 2002 में बदलाव किया गया है। अब तिरंगा बनाने में मशीन निर्मित पॉलिस्टर के कपड़े का उपयोग भी किया जा सकेगा।

राष्ट्रीय झंडा बनाने का नियम बदला, सस्ता होगा तिरंगा

इससे पहले फ्लैग कोड ऑफ इंडिया 2002 के तहत यह अनिवार्य था कि तिरंगा सिर्फ और सिर्फ हथकरघा से या हाथ से बुने हुए खादी के कपड़े से ही बनाया जाए। सरकार ने नियम में बदलाव 30 दिसंबर 2021 को ही कर दिया था। नए नियम में कहा गया है कि राष्ट्रीय झंडा 'हथकरघा से या हाथ से बुने हुए या मशीन से बने, सूती, पॉलिस्टर, ऊन, रेशमी खादी' से बनाया जा सकता है।

11 से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान

नियम बदलने से सरकार के हर घर तिरंगा अभियान को जोरदार सफलता मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। सरकार की ओर से इस अभियान के आयोजन की तारीख आगामी 11 अगस्त से 17 अगस्त तक रखी गई है। हालांकि इस अभियान को जुलाई में लॉन्च किया जाएगा। जुलाई से विभिन्न मंचों के जरिए देश के लोगों को अपने अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया जाएगा। हर घर तिरंगा अभियान 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के दिन सबाब पर होगा। लोगों को कम-से-कम उस दिन अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने को उत्साहित किया जाएगा। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस कारण देश में कम से कम 20 करोड़ तिरंगे की बिक्री होगी।

अपनी मां को याद कर ये खबर ज़रुर पढ़िए - प्रेरक है आपबीती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आपको अपनी माँ से जुड़ने और उनकी अहमियत का एहसास करा देगी मशहूर फिल्मस्टार जैकी श्रॉफ की दिल छू लेने वाली बातें ...... जिसमें उन्होंने एक बात कही थी कि जब वो छोटे थे और केवल एक कमरे के साथ एक छोटे से घर में रहते थे। उनके पिता, मां और वो रात में इस कमरे में एक साथ सोते थे , अगर उन्हें खांसी या दुःस्वप्न होता था तो माँ और पिता जल्दी उठ जाते और पूछते कि क्या हुआ था बेटा। आपका क्या मामला है वे उन्हें दवाई देकर और थपकी देकर फिर से सुलांने की कोशिश करते थे !

फिर जैकी दादा ग्लैमर की दुनिया में आ गए। पैसा कमाया और एक बड़ा घर बनाया। फिर वो बताते हैं कि मैंने अपने कमरे के साथ अपनी माँ के लिए एक बड़ा कमरा बनाया। माँ को एक बड़ा कमरा देकर मुझे बहुत खुशी हुई लेकिन तब मुझे नहीं लगा कि मैंने एक दीवार बनाई है। एक रात मेरी माँ को दिल का दौरा पड़ाऔर चुपचाप वह दुनिया से चली गयी !सुबह होने पर जब मैं अपनी माँ के कमरे में अपनी माँ को देखने गया (लंबी चुप्पी के बाद जैकी श्रॉफ ने एक आह के साथ कहा) तब मेरी माँ मर गई थी...।

दीवार के उस पार मेरी माँ को बहुत खाँसी आई होगी, और शायद मुझे आवाज भी दी होगी लेकिन मेरे और मेरे माँ के बिच एक दिवार थी मेरी सबसे बड़ी गलती यह थी कि मैंने अपनी माँ और अपने बीच एक दीवार बना ली।मैंने पैसे कमाए लेकिन एक ही घर में एक अलग दीवार बनाकर मैंने अपना रिश्ता खो दिया और सबसे बढ़कर मैंने अपनी माँ का अस्तित्व खो दिया। मैं अब भी यही सोचता हूं कि अगर मेरी मां और मेरे कमरे के बीच दीवार न खड़ी की गई होती तो शायद मेरी मां आज मेरे साथ इस इंटरव्यू का हिस्सा होती !

समझने वालों के लिए एक साइलेंट मैसेज दिया है जैकी श्रॉफ ने !!

देश प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है : सतपाल महाराज

मेगा एग्जिबिशन 'राइजिंग उत्तराखंड-2022' का समापन

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर आयोजित मेगा एग्जिबिशन में केंद्र और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि हमारा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर विकास के आयाम स्थापित कर रहा है। ये कहना है देश दुनिया में मशहूर आध्यत्मिक गुरु और उत्तराखंड की राजनीति के दिग्गज लीडर सतपाल महाराज का प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने राइस इन उत्तराखंड के तहत चल रही मेगा एग्जिबिशन के समापन अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 8 वर्षों के कार्यकाल में एक ओर जहां देश ने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड भी विकास के नित नए आयाम स्थापित कर रहा है।

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने राइज इन उत्तराखंड के तहत मेगा एग्जिबिशन में लगे केंद्र एवं राज्य सरकार के विभागीय स्टालों का निरीक्षण करने के साथ-साथ आयोजन के लिए राज्यसभा सदस्य नरेश बंसल को विशेष रूप से बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। श्री महाराज ने कहा कि इस एग्जिबिशन में बहुत कुछ दर्शाया गया। मेक इन इंडिया का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जो लक्ष्य रहा है, इस प्रदर्शनी में उसकी स्पष्ट झलक दिखाई दी है।

उन्होने कहा कि प्रदर्शनी के अंतिम दिन भी लोगों का काफी उत्साह देखने को मिला। 50 से अधिक शैक्षणिक संस्थाओं के लगभग 10000 छात्र-छात्राओं द्वारा प्रदर्शनी में भाग लेना एग्जिबिशन की सफलता को बयां कर रहा है।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य, कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, मेयर सुनील उनियाल गामा, विधायक विनोद चमोली, पौड़ी के विधायक राजकुमार पौरी ने भी एग्जीबिशन का अवलोकन कर अपने-अपने विचार रखे। कार्यक्रम में सिद्धार्थ बंसल, महक जैन, तरुण जैन, मयंक सचदेवा सहित अनेक लोग मौजूद थे।

परस्परं भावयन्तः श्रेयः परमवाप्स्यथ
राज्य कर विभाग उत्तराखण्ड

राज्य कर विभाग उत्तराखंड

उपलब्धियां

करदाताओं के सहयोग एवं विभागीय प्रयासों से वित्तीय वर्ष 2022-23 के प्रथम 100 दिनों में लक्ष्य से अधिक संग्रह प्राप्ति

संग्रह	100 दिनों हेतु निर्धारित लक्ष्य	लक्ष्य प्राप्ति	लक्ष्य प्राप्ति प्रतिशत में
एसजीएसटी	रू. 1677 करोड़	रू. 1933 करोड़	115%
वैट	रू. 529 करोड़	रू. 688 करोड़	130%

- विभाग द्वारा हित धारकों एवं करदाताओं को GST के परिप्रेक्ष्य में जागरूक करने हेतु विभिन्न व्यवसायों के संबंध में प्रत्येक सप्ताह Online Workshop आयोजित करते हुए प्रशिक्षण अभियान चलाया जा रहा है जिसमें Tourism, Works Contract, Hotel & Restaurants, e-Commerce इत्यादि विभिन्न प्रासंगिक विषयों पर जानकारी दी जा चुकी है।
- माननीय वित्त मंत्री जी की पहल पर रेस्टोरेंट में सर्विस चार्ज अनिवार्य नहीं होने एवं स्वैच्छिक होने के संबंध में जन जागरूकता अभियान चलाने में उत्तराखंड देश में अग्रणी राज्य है।
- राजकीय कार्यों में पारदर्शिता, सुगमता एवं तीव्रता लाने के उद्देश्य से मुख्यालय में e-office का क्रियान्वयन किया जा चुका है।
- राज्य कर विभाग के समस्त कार्यालयों में उपस्थिति अंकित किए जाने हेतु बायोमेट्रिक स्थापित है

वार्षिक बिक्री रु 20 लाख से अधिक होने पर जीएसटी पंजीयन लेना अनिवार्य है।

किसी भी वस्तु की खरीद अथवा सेवाओं की प्राप्ति हेतु जीएसटी बिल अवश्य ले। आपका टैक्स देश एवं प्रदेश के विकास में आपका योगदान है।

State Helpline: 1800-120-122-277 \ GST Website : https.//gst.gov.in

स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में एनएचएम का अहम योगदान : डॉ0 धन सिंह रावत

एनएचएम के तहत चालू वित्तीय वर्ष में राज्य को मिला 1129.35 करोड़ का बजट

■ डॉ0 रावत ने प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री का जताया आभार

■ योजनाओं के बेहत्तर संचालन के चलते इस वर्ष मिली अधिक धनराशि

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का योगदान सबसे अहम है। मिशन के तहत स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लगातार मजबूत किया जा रहा है। एनएचएम के अंतर्गत केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का बेहत्तर संचालन किये जाने पर केन्द्र सरकार ने इस वित्तीय वर्ष रूपये 1129.35 करोड़ का बजट स्वीकृत किया, जो कि पिछले वित्तीय वर्ष के मुकाबले 280 करोड़ अधिक है। राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में किये गये सफल प्रयासों से यह संभव हो पाया है। एनएचएम के तहत केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकृति धनराशि से राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूत किया जायेगा, ताकि लोगों को स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं सुभल हो सके। एनएचएम के तहत राज्य को बड़ा स्वास्थ्य बजट मिलने पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया का आभार जताया।

सूबे के चिकत्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राज्य को इस वित्तीय वर्ष रूपये 1129.35 करोड़ का बजट मिला है।

उन्होंने कहा कि एनएचएम के तहत स्वास्थ्य के क्षेत्र में किये गये बेहत्तर कार्यों को देखते हुये केन्द्र सरकार ने पिछले वर्ष के मुकाबले इस बार अधिक बजट स्वीकृत किया है, जो कि एनएचएम एवं स्वास्थ्य विभाग के लिये बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवथाओं को और अधिक मजबूत किया जायेगा और लोगों स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हो सकेंगी। डॉ0 रावत ने बताया कि स्वीकृत धनराशि राज्य में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बच्चों के रेफरल वाहनों की निःशुल्क व्यवस्था, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बालिका विद्यालयों में 50 सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और 50 इंसीनरेटर लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जिला चिकित्सालय उत्तरकाशी में डिस्ट्रिक्ट अर्ली इंटरवेंशन सेंटर कि स्थापना स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके साथ ही उत्तरकाशी एवं बागेश्वर में दो न्यू बोर्न स्टेबलिसेशन यूनिट का उच्चीकरण कर सिक न्यू बोर्न केयर यूनिट के रूप में विकसित किया जायेगा। जबकि राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जनपद अल्मोड़ा, बागेश्वर एवं रुद्रप्रयाग के जिला अस्पताल में किशोर हेल्थ क्लिनिक स्थापित किया जायेगा। इसके अलावा 14 ब्लॉकों के प्राथमिक अथवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में किशोर हेल्थ क्लिनिक की स्थापना की जायेगी। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि किशोरों के स्वास्थ्य को ध्यान रखते हुये देहरादून, नैनीताल, पौड़ी, हरिद्वार, टिहरी एवं उधमसिंह नगर जनपद में मॉडल किशोर स्वास्थ्य क्लिनिक की स्थापना की जायेगी।

डॉ0 रावत ने कहा कि एनयूएचएम के तहत देहादून जनपद के मेहुंवाला में नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना की स्वीकृति प्रदान की गई। कंप्रिहेंसिव प्राइमरी हेल्थ केयर तहत 244 नए उपकेंद्र-हेल्थ एंड वैलनेस सेंटरों की स्थापना की जायेगी। इसके अलावा 1847 आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर में निःशुल्क योग प्रशिक्षण दिया जायेगा। ब्लड सेल प्रोग्राम के तहत थैलीसीमिया के मरीजों को रक्त चढ़ाने हेतु ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेट प्रदान किये जायेंगे। उप जिला चिकित्सालय ऋषिकेश में नए ब्लड कम्पोनेंट सेपरेशन यूनिट कक्ष के निर्माण हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। आईपीएचएस मानकों के अंतर्गत 300 शैया वाले उप जिला चिकित्सालय हर्रावाला का निर्माण कार्य पूरा करने के लिये अवशेष बजट स्वीकृत किया गया है। ऐसे ही 200 शैया युक्त मल्टी स्पेशलिटी चिकित्सालय हल्द्वानी के निर्माण कार्य पूर्ण करने हेतु अवशेष बजट स्वीकृत किया गया है। उप जिला चिकित्सालय श्रीनगर में ट्रांजिट हॉस्टल, जनपद अल्मोड़ा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देघाट, लमगड़ा एवं जनपद पौड़ी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खिर्सू, यमकेश्वर, रिखड़ीखाल, नैनीडांडा में ट्रजिट हॉस्टल के निर्माण हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चाकीसैंण, लक्ष्मणझूला में भी ट्रांजिट हॉस्टल निर्माण की स्वीकृति दे दी गई है। रेफरल ट्रॉसपोर्ट के तहत डायलसिस हेतु मरीजों को निःशुल्क यातायात सुविधा प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। डॉ0 रावत ने बताया कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार लगातार काम कर रही है। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ आम आदमी तक पहुंचाने के निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं।

बारिश में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट से जनता को असुविधा न हो : सुशील कुमार, आयुक्त

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आयुक्त गढवाल मंडल एवं अध्यक्ष देहरादून स्मार्ट सिटी लि0 बोर्ड सशील कुमार की अध्यक्षता में देहरादून स्मार्ट सिटी लि0 की 22 वीं बोर्ड बैठक आयोजित गयी, बैठक में सभी विभागों के अधिकारी, देहरादून स्मार्ट सिटी लि0 के अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहें । डॉ आर राजेश कुमार, पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, देहरादून स्मार्ट सिटी लि0/जिलाधिकारी ,श्री कृष्ण कुमार मिश्रा, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, देहरादून स्मार्ट सिटी लि0/उप जिलाधिकारी देहरादून,.श्रीमती निलिमा M। गर्ग, मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान देहरादून , पदम कुमार, मुख्य महा प्रबंधक तकनीकी, देहरादून स्मार्ट सिटी लिमिटेड राशिद मलिक, कम्पनी सचिव, देहरादून स्मार्ट सिटी लि0 बोर्ड मीटिंग मे शामिल हुए।

बैठक के दौरान आयुक्त गढवाल /चेयरमैन देहरादून स्मार्ट सिटी लि0 सुशील कुमार द्वारा अधिकारियों, अभियन्ताओं, कार्यसंस्थाओं के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत चल रही परियोजनाओं में ऐसे सभी कार्य जो वर्षा काल में आम जन-जीवन को अधिक प्रभावित करते हो , ऐसे कार्यो को बारिश को ध्यान में रख कर पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखा जाए कि बारिश के दौरान ओवरफ्लो आदि समस्या पैदा न हो।

गढ़वाल आयुक्त को अवगत जानकारी दी गई कि वर्तमान में देहरादून स्मार्ट सिटी लि0 द्वारा 2 रूटों पर 10 बसों का संचालन किया जा रहा है। एंव 5 इलैक्ट्रिक बसें स्मार्ट सिटी को और प्राप्त हो गई हैं जो की आईएसबीटी से एयरपोर्ट रुट पर जल्द ही सेवाए प्रारंभ कर दी जाएगी । आयुक्त गढवाल द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में यह अवगत कराया गया की जनहित में जन सामान्य हेतु विभिन्न विभागों जैसे नगर निगम, विद्युत एवं जलापूर्ति से सम्बन्धित जन सेवाओं को दून इंटिग्रेटेड कमान्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर के साथ जोड़ दिया गया है ठेकेदार फर्मो एवं कार्यदायी संस्थाओं को सख्त हिदायत देते हुए यह निर्देशित किया गया कि प्रत्येक कार्य स्थल पर श्रमिकों की संख्या को बढ़ाकर कार्य को शीघ्र पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

प्रस्तावित ग्रीन बिल्डिंग हेतु आवश्यक भूमि उपलब्ध करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया जिससे जल्द से जल्द कार्यो का निष्पादन सुनिश्चित किया जा सकें। आयुक्त गढ़वाल द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मार्डन दून लाइब्रेरी परियोजना के समस्त कार्य 30 सितंबर 2022 तक प्रत्येक दशा में पूर्ण करने हेतु सुनिश्चित करें।

आयुक्त गढ़वाल द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि देहरादून स्मार्ट सिटी लि0 के अन्तर्गत बनने वाले शिशु पालन केंद्र का कार्य 30 अगस्त 2022 तक पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाएं।आयुक्त गढ़वाल द्वारा निर्देशित किया गया की परेड ग्राउंड एव पलटन बाजार के कार्य हेतु संबंधित ठेकेदार को सख्त निर्देश दिए जाएं की कार्य को शीघ्र पूर्ण किया जाए , कार्य न होने के स्थिति में सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए गए

क्वार्टरफाइनल सीट के लिये स्पेन से भिड़ेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

टेरासा (स्पेन) (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के पूल बी में तीसरा स्थान हासिल करने के बाद क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने के लिये रविवार को स्पेन का सामना करेगी। गोलकीपर सविता की कप्तानी में भारत ने राउंड रॉबिन लीग में इंग्लैंड (1-1) और चीन (1-1) के साथ ड्रॉ खेले, हालांकि न्यूज़ीलैंड के खिलाफ उसे 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। अब भारत को क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के लिये स्पेन के टेरेसा में होने वाले क्रॉसओवर मैच में मेज़बान स्पेन पर जीत दर्ज करनी होगी। अपने अब तक के विश्व कप अभियान के बारे में सविता ने कहा, हमें पता था कि पूल मैच बेहद मुश्किल होने वाले हैं। हमने डटकर मुकाबला किया और हार नहीं मानी, लेकिन नतीजे हमारे पक्ष में नहीं आये। हम इन नतीजों को पीछे छोड़ते हुए आगे आने वाले मैच पर ध्यान देंगे।

हम अब भी प्रतियोगिता में बने हुए हैं और क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के लिये अपना सब कुछ देंगे। इस बीच, उपकप्तान दीप ग्रेस एक्का ने कहा कि टीम को अपने खेल में और सुधार करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम अपने पिछले तीन मैचों में और बेहतर खेल सकते थे। हमने पूल स्टेज में कई मौके बनाये, खासकर आखिरी मैच में, लेकिन हम उन्हें गोल में तब्दील नहीं कर सके। हमें अपने कनवर्जन को सुधारने की जरूरत है। आखिर में हर बात अवसर को गोल में तब्दील करने पर आ जाती है। स्पेन पूल स्टेज में दो जीत और एक हार के बाद भारत का मुकाबला करेगी।

उन्होंने अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत कनाडा के खिलाफ 4-1 की जीत से की थी, लेकिन वह अर्जेंटीना के खिलाफ दूसरा मैच 1-4 से हार गये थे। मेजबान टीम ने तीसरे मैच में वापसी करते हुए कोरिया को 4-1 से हराकर पूल सी में दूसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले जब भारत और स्पेन एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021/22 में सामने आये थे तो मुकाबला बराबरी का रहा था। दोनों टीमों के बीच दो मैच खेले गये थे जिसमें भारत ने पहला मैच 2-1 से जीता था जबकि स्पेन ने दूसरा मैच 4-3 से अपने नाम किया था। भारतीय कप्तान ने स्पेन के खिलाफ होने वाले मैच के बारे में कहा, स्पेन एक अच्छी टीम है और वे अपने घर पर खेल रहे हैं इसलिये यह एक चुनौतीपूर्ण मैच होगा। हम उनका सामना प्रो लीग में भी कर चुके हैं, इसलिये हम उनके खेलने के अंदाज से परिचित हैं। कल हमारा ध्यान अपने ऊपर होगा, और इसपर होगा कि हम अपनी योजनाओं को किस तरह लागू करते हैं। हमें उनके खिलाफ अपना 'ए-गेम' खेलना होगा। एक्का ने कहा कि टीम ज्यादा दबाव लिये बिना मैच खेलने उतरेगी और उनका ध्यान अच्छा हॉकी खेलने की तरफ होगा। उन्होंने कहा, हमारे पास क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने और वहां से लय को आगे बढ़ाने का शानदार मौका है। हम बहुत अधिक दबाव लिये बिना खेलने उतरेंगे। हमें बस अपनी ताकत से खेलने की जरूरत है और सिर्फ अच्छी हॉकी खेलने पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। इससे हमें वांछित परिणाम प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

नहीं पता गेंद को मैं स्विंग करा रहा हूं या परिस्थितियों, गेंद के कारण ऐसा हो रहा है: भुवनेश्वर

बर्मिंघम (एजेंसी)। समकालीन क्रिकेट में बहुत कम गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार से बेहतर गेंद को स्विंग करा पाते हैं लेकिन सफेद कूकाबूरा गेंद से तीन दिन में दूसरी बार इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को झकझोरने के बाद भारत के इस तेज गेंदबाज ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि वह गेंद को स्विंग करा रहे हैं या हालात के कारण ऐसा हो रहा है। या फिर गेंद ही खुद स्विंग हो रही है।

इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भारत को 2-0 की बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाने के बाद भुवनेश्वर ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता।

उन्होंने कहा, क्योंकि मैं यहां कई बार आ चुका हूं और मैंने यहां पिछली जो कुछ श्रृंखलाएं खेली हैं उनमें गेंद स्विंग नहीं कर रही थी। इसलिए हां, मैं भी हैरान था कि सफेद गेंद स्विंग कर रही है और लंबे समय तक स्विंग कर रही है, विशेषकर टी20 प्रारूप में। विकेट पर अधिक उछाल भी है। इसलिए हां, जब गेंद स्विंग करती है तो आप अधिक लुत्फ उठाते हो।

इस तेज गेंदबाज ने कहा, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता कि इसे मैं स्विंग करा रहा हूं, परिस्थितियों के कारण ऐसा हो रहा है या फिर गेंद के कारण ऐसा है लेकिन हां, मुझे खुशी है कि गेंद स्विंग कर रही है।

भारत के इस अनुभवी तेज गेंदबाज का मंत्र सामान्य सा है, अगर गेंद स्विंग कर रही है तो वह आक्रमण करेंगे और विकेट चटकाने का प्रयास करेंगे। इस रणनीति पर अमल करते हुए भुवनेश्वर ने दो मैच में 25 रन देकर चार विकेट चटकाए।

भुवनेश्वर ने शनिवार रात मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, अगर गेंद स्विंग करती है, जो मेरा मजबूत पक्ष है, तो मैं आक्रमण करने का प्रयास करता हूं।

उन्होंने कहा, सपाट पिचों पर बल्लेबाज आक्रमण करते हैं, वे वहां अपने शॉट खेलते हैं लेकिन दो मैच में गेंद स्विंग हुई और मैं आक्रमण कर रहा था। लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि अपने ऊपर नियंत्रण रखो।

इस तेज गेंदबाज ने कहा, आपको लगता है कि आप एक इनस्विंग, एक आउटस्विंग, एक इनस्विंग फेंकेंगे लेकिन इस इच्छा को नियंत्रित करना महत्वपूर्ण है। निरंतरता के साथ गेंदबाजी करो और बल्लेबाजों को आउट करने के लिए जाल बिछाओ।

कुछ समय पहले तक भुवनेश्वर चोटों से जूझ रहे थे और ऐसा लगने लगा था कि क्या इस तेज गेंदबाज का करियर खत्म हो गया है।

भुवनेश्वर ने कहा, चोट के बाद आपको पता होता है कि जब आप वापसी करोगे तो आपको अच्छा प्रदर्शन करना होगा। इसके अलावा कोई और विकल्प नहीं होता। मेरा हमेशा से मानना है कि वापसी करने का कम से कम एक मौका और मिलेगा। मुझे पता है कि तब मैं अपना शत प्रतिशत दूंगा लेकिन नतीजे अच्छे मिलेंगे इसकी कोई गारंटी नहीं है।

उन्होंने कहा, क्योंकि जब आप चोटिल होते हो तो आप हताश हो जाते हो।

भारत के पास टी20 की बेहद मजबूत टीम : जाइल्स

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर एश्ले जाइल्स का मानना है कि भारत के पास टी20 की बेहद मजबूत टीम है जो ऊपर से नीचे तक मजबूत नजर आती है जबकि उसके वैकल्पिक खिलाड़ी भी उतने ही सक्षम हैं।

भारत ने शनिवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में मेजबान इंग्लैंड को 49 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 की विजयी बढ़त बनाई।

जाइल्स ने कहा, भारत के पास बेहद मजबूत टी20 टीम उपलब्ध है।

भारत ने पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय भी 50 रन से जीता था जबकि उस मैच में विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत टीम का हिस्सा नहीं थे।

जाइल्स ने कहा, भारतीय टीम ऊपर से नीचे तक काफी मजबूत नजर आती है। अगर आप पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय से दूसरे मैच में हुए बदलाव को देखो। आप उस टीम को भी खिला सकते थे और नतीजा समान होता।

उन्होंने कहा, उनका गेंदबाजी आक्रमण देखिए, यह काफी मजबूत है।

दोनों टी20 मुकाबलों में भारत ने विकेट गंवाने के बावजूद शुरुआत से लेकर अंत तक आक्रमक रवैया अपनाया

और अंततः यह टीम की जीत का अहम कारण बना।

जाइल्स ने कहा, आपको गेंदबाजों पर दबाव बनाना होता है। कभी कभी गेंदबाजों का दिन होता है लेकिन आप चाहे कितने भी विकेट गंवाए आपको आगे बढ़ना होता है और अधिक से अधिक रन बनाने का प्रयास करना होता है। यह भारतीय टीम ऐसा करने में अच्छी तरह सक्षम है।

आरबीआई का एक्शन, बड़े बैंक पर लगाया बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक ने रामगढिया को-ऑपरेटिव बैंक पर बिगड़ती वित्तीय स्थिति को देखते हुए प्रति जमाकर्ता 50 हजार रुपये की निकासी सीमा तय करने समेत कई प्रतिबंध लगा दिए हैं। हालांकि केंद्रीय बैंक ने कहा कि बैंक पाबंदियों के साथ संबंधित कामकाज जारी रखेगा। आरबीआई ने बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट, 1949 के तहत निर्देश जारी करते हुए एक बयान में कहा कि को-ऑपरेटिव बैंक पर कारोबार बंद होने के बाद प्रतिबंध लागू किया गया है और यह अगले 6 महीने तक लागू रहेगा।

बैंक भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्व मंजूरी के बिना कोई कर्ज प्रदान या रिन्यू नहीं कर सकता, न ही कोई निवेश कर सकता है और न ही नई जमा राशि स्वीकार कर सकता है। आरबीआई ने कहा कि विशेष रूप से सभी सेविंग्स बैंक अकाउट, करंट अकाउंट या जमाकर्ता के किसी अन्य अकाउंट्स में कुल जमा राशि में से 50,000 रुपये से अधिक निकालने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

अगर कोहली प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं तो आप युवाओं को बाहर नहीं रख सकते : कपिल देव

नयी दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व कप्तान कपिल देव ने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए चयनकर्ताओं से इनफ़ॉर्म खिलाडियों को खिलाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि विश्व कप की तैयारियों के लिए चयनकर्ताओं को कठिन निर्णय लेने होंगे, चाहे बात विराट कोहली जैसे कद के खिलाड़ी की क्यों ना हो। कपिल ने कहा, अगर आपके पास कई विकल्प हैं तो आप इन फ़ॉर्म खिलाडियों के साथ जाएं। आप केवल प्रतिष्ठा के आधार पर नहीं जा सकते बल्कि आपको खिलाड़ी के मौजूदा फ़ॉर्म को देखना होगा।

आप स्थापित खिलाड़ी हो सकते हैं लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि पांच बार लगातार असफल होने के बाद भी आपको मौके मिलते रहेंगे। 1983 विश्व कप विजेता कपिल देव को लगता है कि जब स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को बाहर किया जा सकता है, तो विराट कोहली को भी भारतीय टीम से बाहर किया जा सकता है। हालांकि, विराट कोहली ने नवंबर 2019 के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक नहीं लगाया है और वे अभी अपनी फॉर्म में नहीं हैं। दीपक हुड्डा, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ियों के मिश्रण में कोहली के लिए प्लेइंग इलेवन में जगह बनाना मुश्किल हो रहा है।

खासकर तब मुश्किल हो रहा है, जब अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप शुरू होने वाला है।अब स्थिति ऐसी है कि आप कोहली को टी20 प्लेइंग इलेवन से बाहर करने पर मजबूर हो सकते हैं। उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। अगर दुनिया के नंबर 2 गेंदबाज अश्विन को टेस्ट टीम से बाहर किया जा सकता है, तो नंबर 1 बल्लेबाज को भी बाहर किया जा सकता है।

विराट कोहली के पास अभी भी समय है, जब वे अपना बल्ले से प्रदर्शन दिखा सकते हैं। हमें उम्मीद है कि ऐसा खिलाड़ी अपनी फॉर्म में वापसी कर सकता है।

इस महीने से घट जाएगी महंगाई, आम आदमी को मिलेगी राहत- आरबीआई गवर्नर ने कही ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि वित्त वर्ष 2023 की दूसरी छमाही में भारत में मुद्रास्फीति (महंगाई) धीरे-धीरे कम होने की उम्मीद है। इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव में बोलते हुए, दास ने कहा, बाजार आपूर्ति के दृष्टिकोण से सही दिखाई दे रहा है और कई उच्च आवृत्ति संकेतक 2022-23 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में रिकवरी की ओर इशारा कर रहे हैं। हमारा वर्तमान आकलन यह है कि 2022-23 की दूसरी छमाही में महंगाई धीरे-धीरे कम हो सकती है।

भारत में महंगाई के इतिहास पर बात करते हुए, आरबीआई गवर्नर ने आगे कहा, 2022 की शुरुआत में महंगाई वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही तक चार प्रतिशत के लक्ष्य दर से काफी कम होने की उम्मीद थी, 2022-23 के लिए अनुमानित औसत महंगाई दर 4.5 प्रतिशत है।

आरबीआई गवर्नर ने यह भी कहा है कि वर्तमान दौर मुद्रास्फीति के ग्लोबलाइजेशन का है। पूरी दुनिया इससे प्रभावित हो रही है। आरबीआई गवर्नर दास ने कहा कि कोरोना महामारी से प्रभावित हुई अर्थव्यवस्था में सुधार होने लगा है मगर महंगाई अब भी एक बड़ी समस्या बनी हुई है और यह अब भी केंद्रीय बैंकों के अनुमानों के ऊपर है।

दास ने कहा, मैक्रो-इकनॉमिक और फाइनेंशियल स्टैबिलिटी बनाए रखने के लिए मूल्य स्थिरता जरूरी है। इसलिए केंद्रीय बैंक व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखने और इसे बढ़ावा देने के उपाय करेगा। हमारे नियंत्रण से परे कारक अल्पावधि में मुद्रास्फीति को प्रभावित कर सकते हैं, लेकिन मध्यम अवधि में इसकी चाल मौद्रिक नीति द्वारा निर्धारित होगी।

उन्होंने आगे कहा, इसलिए, मौद्रिक नीति को मुद्रास्फीति को स्थिर करने के लिए समय पर कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि अर्थव्यवस्था को मजबूत स्थिति में और सतत वृद्धि की राह पर कायम रखा जा सके।

उन्होंने कहा कि 2022-23 के लिए व्यावसायिक पूर्वानुमानकर्ताओं के सर्वेक्षण से पांच प्रतिशत पर औसत मुद्रास्फीति अनुमान भी काफी सौम्य रहा।

उन्होंने कहा कि हालांकि, यह फरवरी 2022 से रूस-यूक्रेन युद्ध से आगे निकल गया, जिससे वैश्विक कच्चे तेल और अन्य कमोडिटी की कीमतों में तेज उछाल आया।

दास ने कहा, वैश्विक खाद्य कीमतें मार्च में ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गईं और उनका प्रभाव खाद्य तेल, फीड लागत और घरेलू गेहूं की कीमतों में महसूस किया गया। अभूतपूर्व गर्मी की लहर के कारण रबी गेहूं के उत्पादन में कमी ने गेहूं की कीमतों पर और दबाव डाला।

उनके अनुसार, आरबीआई का उद्देश्य अर्थव्यवस्था की रक्षा करना और वित्तीय स्थिरता को बनाए रखना है। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास सॉफ्ट लैंडिंग सुनिश्चित करने का रहा है। ये उद्देश्य आज भी हमारे कार्यों का मार्गदर्शन करते हैं और भविष्य में भी ऐसा ही रहेगा।

दास ने कहा कि वैश्वीकरण के लाभ कुछ जोखिमों और चुनौतियों के साथ आते हैं। जटिल आपूर्ति श्रृंखलाओं के माध्यम से दुनिया भर में खाद्य, ऊर्जा, वस्तुओं और महत्वपूर्ण आदानों की कीमतों पर आघात पहुंचाया जाता है।

उन्होंने कहा, वास्तव में, हाल के घटनाक्रम घरेलू मुद्रास्फीति की गतिशीलता और व्यापक आर्थिक विकास में वैश्विक कारकों की अधिक मान्यता के लिए कहते हैं, जो बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए देशों के बीच नीतिगत समन्वय और संवाद को बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

उनके अनुसार, इस तरह के अपरिहार्य वैश्विक झटकों के खिलाफ इंश्योरेंस अंततः ठोस आर्थिक बुनियादी बातों, मजबूत संस्थानों और स्मार्ट नीतियों पर बनाया गया है। व्यापक आर्थिक और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए मूल्य स्थिरता महत्वपूर्ण है।

दास ने कहा, हम व्यापक आर्थिक स्थिरता को बनाए रखने और बढ़ावा देने के व्यापक लक्ष्य के साथ अपनी नीतियों को जांचना जारी रखेंगे। इस प्रयास में, हम अपने संचार में स्पष्ट और पारदर्शी रहते हुए अपने दृष्टिकोण में लचीला बने रहेंगे।

वन मंत्री सुबोध उनियाल और वित्त मंत्री प्रेमचंद ने हरेला पर किया वृक्षारोपण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

वन मंत्री सुबोध उनियाल और कैबिनेट मंत्री व क्षेत्रीय विधायक डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने हरेला पर्व के उपलक्ष्य में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया गया। इस मौके पर मंत्री डॉ अग्रवाल के पुत्र पीयूष अग्रवाल के जन्मदिन पर भी पौधरोपण किया। साथ ही प्रत्येक नागरिक से जन्मदिन पर पौधरोपण करने का आवाहन किया गया।

ऋषिकेश के स्मृति वन में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि हरेला सुख, समृद्धि और खुशहाली का पर्व है। हरेला पर्व पर्यावरण संरक्षण का त्यौहार है। ऋग्वेद में भी हरियाली के प्रतीक हरेला का उल्लेख किया गया है। बताया कि इस त्यौहार को मनाने से समाज कल्याण की भावना विकसित होती है। आज का युवा जिस तरह से पुराने त्योहारों को भूलता चला जा रहा है उस बीच हरेला त्यौहार की प्रसिद्धि आज की युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का काम भी कर रही है।

मंत्री उनियाल ने कहा कि शास्त्रों में लिखा गया है कि एक पेड़ लगाने से एक यज्ञ के बराबर पुण्य मिलता है। कहा कि पीपल का पेड़ लगाने से व्यक्ति को सैंकड़ों यज्ञों के बराबर पुण्य की प्राप्ति होती है। केवल इतना ही नहीं भारतीय संस्कृति में एक पेड़ लगाना, सौ गायों का दान देने के समान माना गया है। श्री उनियाल जी ने कहा कि ऐसे त्यौहार अगर समय-समय पर मनाते जाएं तो युवा भी अपनी संस्कृति के प्रति रुझान करेंगे और युवा पीढ़ी भविष्य में इसके महत्व को भी समझ सकेगी।

कैबिनेट मंत्री व क्षेत्रीय विधायक डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि पौधारोपण हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग है, हमें अपने जीवन में जितना हो सके उतना अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिये। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधों की कमी से निरंतर पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है। पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए पौधारोपण बहुत जरूरी है। हम सभी का फर्ज बनता है कि पृथ्वी की खूबसूरती को बनाए रखने में अपना योगदान दें। उन्होंने युवाओं को अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की।

डॉ अग्रवाल ने कहा कि प्रकृति समस्त जीवों के जीवन का मूल आधार है। प्रकृति का संरक्षण एवं संवर्धन सभी जीव जगत के लिए बेहद ही अनिवार्य है। प्रकृति पर ही पर्यावरण निर्भर करता है। यदि प्रकृति असन्तुलित होगी तो पर्यावरण भी असन्तुलित होगा। कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से बचने और पर्यावरण को शुद्ध बनाने के लिए पेड़ों का होना बहुत जरूरी है। पेड़ प्रकृति का आधार हैं। पेड़ों के बिना प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है।

इस अवसर पर पीयूष अग्रवाल ने कहा कि यदि प्रकृति को ईश्वर का दूसरा रूप कहा जाए तो कदापि गलत नहीं होगा। पेड़ों पर प्रकृति निर्भर करती है। पेड़ लगाना प्रकृति का संरक्षण व संवर्धन है और प्रकृति का संरक्षण व संवर्धन ईश्वर की श्रेष्ठ आराधना है। एक पेड़ लगाने से असंख्य जीव-जन्तुओं के जीवन का उद्धार होता है और उसका अपार पुण्य सहजता से हासिल होता है। एक तरह से पेड़ लगाने से अपार पुण्य की प्राप्ति होती है। इस मौके पर हरेला पर्व व मंत्री डॉ अग्रवाल के बेटे के जन्मदिन पर आम, पीपल, तुलसी, लीची, बेलपत्र, नींबू सहित फलदार व छायादार पौधे रोपे गए। साथ ही प्रत्येक व्यक्ति से अपने जन्मदिन पर पौधरोपण करने का आवाहन किया गया।इस मौके पर महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल, जिला महामंत्री सुदेश कंडवाल, पूर्व दर्जाधारी संदीप गुप्ता, सुरेंद्र मोंगा, संजय शास्त्री, जितेंद्र अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष ऋषिकेश दिनेश सती, श्यामपुर गणेश रावत, वीरभद्र अरविंद चौधरी, सुमित पंवार, जयंत शर्मा, प्रदीप दुबे, प्रदेश सह सोशल मीडिया प्रभारी प्रशान्त चमोली, पर्यावरणविद विनोद जुगलान, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष उषा जोशी, पुनिता भंडारी, निर्मला उनियाल, अनिता तिवारी, सतपाल सैनी, आरती गौड़, मानवेन्द्र कण्डारी, सुंदरी कंडवाल, प्रदीप कोहली, जसविंदर राणा, मीना गौड़, पुष्पा ध्यानी, कमला नेगी, मैत्री स्वयं सेवी संस्था की अध्यक्ष कुसुम जोशी, राजपाल ठाकुर, रूपेश गुप्ता, देवव्रत शर्मा, विजय जुगलान, समा पंवार, अमित गांधी, हरि शंकर प्रजापति, राकेश पारछा, जितेंद्र भारती सहित अन्य मौजूद रहे।वहीं बेटे के जन्मदिन पर कैबिनेट मंत्री व क्षेत्रीय विधायक डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने भजन गढ़ रोड स्थित कुष्ठ रोग कॉलोनी में रोगियों को छाता, फल व शॉल वितरित किए।

अमरनाथ में सटीक भविष्यवाणी नहीं कर पाया मौसम विभाग, जारी किया था सिर्फ येलो अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) जम्मू-कश्मीर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा के इलाके में मौसम की सटीक भविष्यवाणी कर पाने में नाकामयाब रहा। आईएमडी ने शुक्रवार को गुफा मंदिर के आसपास के इलाके के लिए येलो अलर्ट जारी किया था। इसका मतलब होता है, मौसम पर नजर रखें। येलो अलर्ट इस बात की चेतावनी नहीं देता की बारिश या भारी बारिश होगी। यही वजह रहा कि स्थानीय प्रशासन इस अलर्ट को गंभीरता से नहीं लिया और यात्री जारी रही।

दरअसल, मौसम विभाग अमरनाथ यात्रा को लेकर सुबह और शाम दो बार पूर्वानुमान जारी करता है। शाम चार बजे के बुलेटिन में भी विभाग मौसम के मिजाज को नहीं भांप पाया। उसने बादल छाने और हल्की बारिश की संभावना जताई। लेकिन साढ़े पांच बजे हुई बारिश ने तबाही मचा दी। मौसम विभाग के महानिदेशक डॉ. एम महापात्रा ने बताया कि गुफा के पास बारिश की वजह स्थानीय मौसमी घटना थी। वह बादल फटने की घटना नहीं थी। उन्होंने कहा कि यह स्थानीय पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश में स्थान-स्थान पर अंतर होता है। अमरनाथ में तबाही पानी के जमा होकर ढलान पर बहने से मची।

कितना मुश्किल है सटीक भविष्यवाणी?

डॉ. महापात्रा के अनुसार, भारी बारिश या बादल फटने का सौ फीसदी पूर्वानुमान संभव नहीं है, खासकर पहाड़ी इलाके में। पर्वतीय क्षेत्रों में रडार के सटीक आंकड़े भी नहीं मिल पाते हैं। जबकि मैदानी इलाकों में काफी हद तक अनुमान लगाना संभव होता है।

डॉपलर रडार इस बार नहीं ले जाया गया, इससे शत-प्रतिशत पूर्वानुमान संभव

सूत्रों की मानें तो मौसम की सटीक भविष्यवाणी के लिए अमरनाथ यात्रा में एक डॉपलर रडार वाहन में रखकर ले जाया जाता था, लेकिन इस बार ऐसा नहीं किया गया। डापलर रडार से तीन-चार घंटे पहले भारी बारिश का सटीक अनुमान लगाया जा सकता है। हालांकि, महापात्रा कहते हैं कि बनिहाल में डापलर रडार है। लेह, श्रीनगर तथा जम्मू में भी यह रडार है। लेकिन अमरनाथ यात्रा रूट के लिए पर्याप्त नहीं है। पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण अमरनाथ यात्रा मार्ग पर कई रडार लगाने होंगे।

जलवायु परिवर्तन का असर

बारिश की यह घटना चौंकाने वाली है। दरअसल, होली केव क्षेत्र में सुबह से शाम पांच बजे तक कोई बारिश नहीं हुई। लेकिन फिर अचानक भारी बारिश हुई। हालांकि, गुफा के निकट महज 28 मिमी बारिश एक घंटे में तथा 31 मिमी दो घंटे में हुई है। उस क्षेत्र में एक ही रिकॉर्डिंग केंद्र है। यदि गुफा से दो किमी दूरी पर 100 मिमी बारिश होगी तो वो रिकॉर्ड में नहीं आएगी। जैसे दिल्ली के शाहदरा में यदि भारी बारिश होती है और सफदरजंग इलाके में नहीं होती है तो मौसम विभाग के रिकॉर्ड में दिल्ली में शून्य बारिश दर्ज की जाती है। यही शायद अमरनाथ गुफा पर हुआ है, जिसे मौसम विभाग तकनीकी दांव-पेच में उलझा रहा है।

संपादकीय

खाली सिंहासन, बैठेगी जनता

श्रीलंका के संदर्भ में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की पंक्तियां याद आ रही हैं-'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।' जनता किसी भी सिंहासन से कितनी ताकतवर होती है, यह हकीकत तब सामने आई, जब श्रीलंका का जन-सैलाब 'राष्ट्रपति महल' में घुस गया। हम 'भवन' के बजाय 'महल' शब्द का इस्तेमाल करेंगे, क्योंकि वह किसी शाही महल से कम नहीं है। जनता ने खूब धमा-चौकड़ी मचाई। विलासिता के दर्शन किए और उसे लूटने का प्रयास भी किया। रसोई घर में घुसकर 'शाही भोजन' का स्वाद चखा। राष्ट्रपति के बिस्तर पर लेट कर एहसास किया कि उसके प्रतिनिधि, 'शासक' आम आदमी की तकलीफों, दुख-दर्द और अभावों से कितना दूर था! इतना त्रस्त, गुस्सैल, आक्रोशित, विद्रोही, उत्तेजित श्रीलंका की जनता को हमने कभी देखा-सुना नहीं था। उनके संकटों की पराकाष्ठा की स्थिति आ चुकी थी। श्रीलंकाई जनता ने न केवल 'राष्ट्रपति महल' पर कब्जा किया, बल्कि अल्पकालिक प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के निजी आवास को भी फूंक दिया। कल तक जो राष्ट्रपति देश पर हुकूमत कर रहा था, उसे बेचारगी में, परिजनों सहित, 'महल' छोड़ कर भागना पड़ा। राष्ट्रपति नौसेना के जहाज से कहां चले गए, क्या देश में ही भूमिगत हो गए हैं, अभी तक कोई ठोस, अधिकृत सूचना नहीं है। राष्ट्रपति ने स्पीकर को भेजे संदेश में यह जरूर स्वीकार कर लिया है कि वह 13 जुलाई को पद से इस्तीफा दे देंगे। और क्या विकल्प हो सकता है एक भगौड़े जन-प्रतिनिधि के लिए? सिंहासन खाली हो चुके हैं। राष्ट्रपति के अलावा प्रधानमंत्री को भी इस्तीफे की पेशकश करनी पड़ी है। अब एक सर्वदलीय सरकार के गठन की बात सुन रहे हैं। चुनावों की आहट भी कभी-कभार सुनाई दे रही है। सिंहासन पर जनता के कोई भी प्रतिनिधि बैठें, कार्यवाहक राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री बनाए जाएं, लेकिन श्रीलंका का आर्थिक और संबद्ध संकट कम होने वाले नहीं हैं, क्योंकि देश का विदेशी मुद्रा भंडार नगण्य है, लगभग खाली हो चुका है। तेल और खाद्यान्न आयात करने की पूंजी ही नहीं है। एशिया विकास बैंक, विश्व बैंक, बाज़ार, चीन, जापान, भारत आदि से जो कर्ज़ ले रखे हैं, उनका सालाना भुगतान करने में श्रीलंका असहाय, असमर्थ है। उसे इस साल कमोबेश करीब 700 करोड़ डॉलर का कर्ज़ चुकाना है। भारत और जापान तो कर्ज़ को लेकर ढील दे सकते हैं, बल्कि अमरीका, ब्रिटेन और यूरोप के अन्य मित्र-देशों को श्रीलंका की मदद करने का आग्रह भी कर सकते हैं। चीन का चरित्र तो 'सूदखोर' सरीखा है।

छोटी और घातक फोर्स के भारतीय वायुसेना के विजन को पूरा करती है अग्निपथ योजना : एयर चीफ मार्शल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने रविवार को कहा कि अग्निपथ योजना भारतीय वायुसेना के दीर्घकालिक दृष्टिकोण के तहत लाई गई है। उन्होंने साफ किया कि नई भर्ती प्रणाली वायुसेना की संचालन क्षमता को किसी भी तरह से कम नहीं करेगी। वायुसेना प्रमुख ने बताया कि चार साल की नियुक्ति अवधि में 13 टीमें अग्निवीरों के नामांकन, रोजगार, मूल्यांकन और प्रशिक्षण का जिम्मा संभालेंगी। उन्होंने कहा कि योजना के क्रियान्वयन से पेंशन और अन्य खर्चों में होने वाली कोई भी कमी महज आकस्मिक है और इसे सुधार लागू करने की वजह नहीं मानना चाहिए।

एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा, अग्निपथ योजना भारतीय वायुसेना के श्रमशक्ति के बेहतर दोहन के अभियान को आगे बढ़ाती है। यह काम एक दशक से चल रहा है और जिसके तहत हमने कई मानव संसाधन नीतियों और संगठनात्मक संरचनाओं की समीक्षा की है। यह योजना सबसे अच्छे मानव संसाधन के साथ छोटे और घातक बल होने के भारतीय वायुसेना के दीर्घकालिक दृष्टिकोण की पूरक है, क्योंकि हम दृढ़ता से मानते हैं कि जरूरत के समय में किसी भी बल में शामिल पुरुष और महिलाएं उसकी ताकत को साबित करते हैं।

वायुसेना के 3,000 पदों के लिए 7,50,000 आवेदन

नई भर्ती योजना के तहत भारतीय वायुसेना के लगभग 3,000 पदों के लिए तकरीबन 7,50,000 आवेदकों ने पंजीकरण कराया है। 14 जून को घोषित अग्निपथ योजना के तहत सशस्त्र बलों में केवल चार साल के लिए साढ़े 17 से 21 वर्ष तक के युवाओं की भर्ती करने का प्रावधान है, जिनमें से 25 फीसदी की सेवाएं 15 और वर्षों के लिए बरकरार रखी जाएंगी। साल 2022 के लिए भर्ती की ऊपरी आयु सीमा को बढ़ाकर 23 वर्ष किया गया है।

पिछले महीने भारत के कई हिस्सों में अग्निपथ योजना के खिलाफ हिंसक विरोध-प्रदर्शन हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने यह कहते हुए योजना को वापस लेने की मांग की कि नई भर्ती प्रणाली 75 फीसदी अग्निवीरों को नौकरी की गारंटी नहीं देती है। एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा, लगातार बदलती और विकसित होती तकनीक के साथ एक वायु योद्धा से अपेक्षित बुनियादी कौशल में भी गुणात्मक बदलाव आया है। हमें लगता है कि आज के युवा न सिर्फ अलग और आवश्यक कौशल रखते हैं, बल्कि प्रौद्योगिकी के मामले में भी बेहद दक्ष हैं।

करगिल समीक्षा समिति की सिफारिशों पर उठाए कदम

उन्होंने दावा किया कि संगठनात्मक आवश्यकताओं और युवाओं की आकांक्षाओं के बीच तालमेल भारतीय वायुसेना को बेहद प्रभावी बल बनने के लिए आदर्श परिस्थिति मुहैया करेगा। वायुसेना प्रमुख ने कहा, एक पुनर्गठित प्रशिक्षण प्रणाली, जो हमारी परिचालन प्रतिबद्धताओं के लिए समकालीन, प्रौद्योगिकी-आधारित और विशेष रूप से निर्मित है, उसके साथ हम योजना के कार्यान्वयन को निर्बाध बनाने की परिकल्पना करते हैं। सशस्त्र बलों में मानव संसाधन में बदलाव की आवश्यकता पर व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया गया है और करगिल समीक्षा समिति की सिफारिशों पर धीरे-धीरे ध्यान केंद्रित करने के लिए जरूरी कदम उठाए गए हैं।

वायुसेना प्रमुख ने कहा, चयन की प्रक्रिया जारी है। हमने चार साल की भर्ती अवधि में अग्निवीरों के निर्बाध नामांकन, भूमिका, रोजगार, मूल्यांकन और प्रशिक्षण के लिए 13 टीमों का गठन किया है। मानव संसाधन में बदलाव किसी भी रूप में हमारी संचालन क्षमता को प्रभावित नहीं करता है। अलबत्ता यह सशस्त्र बलों को प्रतिभाओं को आकर्षित करने और राष्ट्र की सेवा करने के इच्छुक युवाओं के साथ जुडने का लाभ प्रदान करेगा।

तेलंगाना में भारी बारिश का रेड अलर्ट, महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में 128 गांवों से संपर्क टूटा

नई दिल्ली एजेंसी। देश के कई हिस्सों में भारी बारिश का सिलसिला जारी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अगले चार दिनों तक दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में हल्की से भारी बारिश का अनुमान लगाया है। वहीं, दक्षिण भारत के भी कई इलाकों में इन दिनों जमकर बारिश हो रही है। तेलंगाना में रविवार तक के लिए बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी है। कर्नाटक और केरल में भी भारी बारिश होने का अनुमान है।

तेलंगाना में बारिश को लेकर रेड अलर्ट के मद्देनजर मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने मुख्य सचिव सोमेश कुमार को अहम निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में सभी संबंधित विभागों को सतर्क कर दिया जाए और सुरक्षा के त्वरित कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह समय-समय पर स्थिति की समीक्षा करेंगे और रविवार को भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक करेंगे। उन्होंने लोगों से बारिश के दौरान कोई जोखिम नहीं लेने का आग्रह किया और जब तक बहुत जरूरी न हो तब तक घर से बाहर नहीं निकलने को कहा है।

तेलंगाना के इन इलाकों में आज बारिश का अनुमान

पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते कई स्थानों पर नाले उफान पर रहे, जबकि निचले इलाकों में पानी भर गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के बताया कि शनिवार को निजामाबाद जिले के नवीपेट में 23 सेंटीमीटर बारिश हुई। बारिश के कारण निचले इलाकों में लोगों को जलभराव का सामना करना पड़ा, जबकि निजामाबाद और कामारेड्डी जिलों में जलाशय भर गए। मौसम केंद्र ने चेतावनी देते हुए कहा कि कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल और अन्य जिलों में शनिवार से रविवार सुबह तक कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

महाराष्ट्र के तीन जिलों में भारी बारिश, 128 गांवों से संपर्क टूटा

महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और विदर्भ में हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से आई बाढ़ से कम से कम 130 गांव प्रभावित हुए हैं और 200 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजना पड़ा। हालांकि, राहत की बात है कि अबतक कहीं से जानहानि की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पूर्वी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली के 128 गांवों से भारी बारिश की वजह से संपर्क टूट गया है।

अधिकारियों ने बताया कि हिंगोली जिले के वसमत तालुका में शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे समाप्त हुए 24 घंटों के दौरान 150 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। उन्होंने दिन में बताया कि हिंगोली जिले के दो गांवों और पड़ोसी जिले नांदेड़ के हडगांव गांव, जो आसना नदी के किनारे बसे हैं, के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हिंगोली के जिलाधिकारी को फोन करके लोगों को निकालने और अन्य प्रकार की सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिए।

राजस्थान में बारिश का दौर जारी

राजस्थान में बारिश का दौर जारी है जहां पिछले 24 घंटे में अनेक जगह भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र के अनुसार, इस दौरान भीलवाड़ा में सबसे अधिक 8 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई जबकि फागी (जयपुर) में 5 सेंटीमीटर बारिश हुई।

म्यूजिक एलबम 'सुट्टा' में नजर आएगी अदाकारा रिया रॉय

पश्चिम बंगाल की धरती से जुड़ी अभिनेत्रियों में अपर्णा सेन, इंद्राणी मुखर्जी, सुमिता सन्याल, शर्मिला टैगोर, तनुजा, राखी, माला सिन्हा, मौसमी चटर्जी, मुममुन सेन, राइमा सेन, रानी मुखर्जी, सुष्मिता सेन और रिंकू घोष (दुर्गेशनंदिनी) जैसी कई अभिनेत्रियों ने बॉलीवुड में अपने अभिनय प्रतिभा के बदौलत बंगाल का नाम रौशन किया और सिने दर्शकों दिलोदिमाग़ में छाई रहीं। इन नामों के साथ अब एक नाम और जुड़ गया है अभिनेत्री रिया रॉय का। कोलकाता (पश्चिम बंगाल) के टालीगंज से आयी होनहार, मेहनती और आकर्षक व्यक्तित्व की धनी रिया रॉय की अदाकारी और खूबसूरती का जलवा बहुत जल्द ही मशहूर पार्श्वगायक कुमार शानू के पुत्र जान कुमार शानू के नए म्यूजिक एलबम 'सुट्टा' में देखने को मिलेगा।

यह एक पेप्पी पार्टी सांग है जो कश्मीर की अदभुत सुंदर वादियों में फिल्माया गया है। इस एल्बम से रिया रॉय बॉलीवुड का हिस्सा बनेंगी। बचपन से ही अभिनय में रुचि रखने वाली अदाकारा रिया रॉय अपने कैरियर की शुरुआत मॉडलिंग से की है साथ ही रंगमंच में भी काम किया है। कई बेहतरीन विज्ञापन फिल्मों में रिया काम कर चुकी है तथा कई ब्रांड की वह हाई पॉइंट भी रही है। कई बड़े ज्वेलर्स के विज्ञापनों में रिया की सुंदरता देखते बनती है जैसे ओरा डिमांड ज्वेलर्स आदि। कई सौंदर्य सामग्री के विज्ञापनों के साथ बड़े रिसोर्ट के विज्ञापन में भी रिया का जलवा कायम है जिसमें हाल ही में खानवेल रिसोर्ट सिलवासा का विज्ञापन उल्लेखनीय है।

रिया को अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, माधुरी दीक्षित, आयुष्मान खुराना, रणवीर सिंह और नवाजुद्दीन सिद्दिकी जैसे शख्सियत जिन्होंने बॉलीवुड में अपनी मेहनत से खुद को स्थापित किया है, काफी पसंद हैं। रिया भी अपनी योग्यता और अभिनय कौशल की बदौलत ऊंचाइयों तक पहुंचना चाहती है। पूर्ण आत्मविश्वास से भरी रिया ने स्वयं में कमी होने नहीं दी है वह नयापन और अपने व्यक्तित्व में सुधार करते रहती है। वह योगा, मेडिटेशन, डांस में ध्यान देती है। नवोदित अदाकारा रिया रॉय के पास म्यूजिक एलबम 'सुट्टा' के अलावा कई प्रोजेक्ट हैं जिसमें वह दर्शकों को जल्द दिखायी देंगी। रिया आत्मविश्वासी और दृढ़ निश्चयी है। अभिनय की दुनिया में वह अपना अलग मुकाम बनाना चाहती है।

वर्टिगो अटैक और पीठ में चोट सहित कई तकलीफों के बावजूद किया काम:नुसरत भरूचा

बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरूचा की कई फिल्में कतार में शामिल हैं। वह हालिया रिलीज हुई फिल्म जनहित में जारी को लेकर लोगों की वाहवाही लूट रही हैं। अब उन्होंने एक चैट शो में कुछ ऐसा खुलासा किया है, जिसे जानकर दर्शक हैरान रह जाएंगे। नुसरत ने कहा कि वर्टिगो अटैक, पीठ में चोट, फटे अंगूठे होने और टखने में मोच जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बावजूद उन्होंने अपना काम निपटाया है।

शिल्पा शेट्टी के चैट शो शेप ऑफ यू में नुसरत ने बताया कि कैसे दर्द सहकर भी उन्होंने अपना काम किया। अभिनेत्री ने कहा, पिछले एक साल से मुझे कोई न कोई समस्या है। मुझे वर्टिगो अटैक पड़ा था, फिर मुझे पीठ में चोट लग गई थी। आगे चलकर मैंने अपने टखने में मोच खाई और इसके बाद मैंने अपना पैर का अंगूठा फोड़ लिया। नुसरत की आपबीती से पता चलता है कि उन्होंने कठनाइयों का डटकर सामना किया।

अगर चलते-चलते या अचानक खड़े होने पर आपका सिर घुमने लगता है और शारीरिक संतुलन बनाए रखने में समस्या होती है, तो ये वर्टिगो के लक्षण हो सकते हैं। कई लोगों को वर्टिगो के बारे में पता नहीं चलता और समस्या गंभीर हो जाती है।

शिल्पा ने नुसरत से पूछा कि उन्होंने अपने पैर का अंगूठा कैसे फोड़ लिया। इसका जवाब देते हुए नुसरत ने कहा कि उनके जन्मदिन की पार्टी के दौरान टेबल पर डांस करते हुए उनके पैर के अंगूठे में चोट लगी थी।

दिशा पटानी एक विलेन रिटर्न्स में जॉन के साथ ग्रे किरदार निभाएंगी

बड़े पर्दे पर एक नकारात्मक किरदार में नजर आने के लिए तैयार दिशा पटानी अपने करियर के सबसे दिलचस्प दौर में से एक का आनंद ले रही हैं। वह जॉन अब्राहम के साथ आने वाली फिल्म एक विलेन रिटर्न्स में नजर आएंगी।

एक विलेन रिटर्न्स के साथ। दिशा अपने करियर में पहली बार ग्रे किरदार निभाती नजर आएंगी।

अभिनेत्री ने कहा कि, एक नकारात्मक किरदार को अपनाने के लिए कुछ तैयारी करनी पड़ी। मैंने बस अपने निर्देशक की सलाह का पालन किया। मुझे ये बहुत सारी नकारात्मक फिल्में देखना भी याद है और एक बिंदु था कि सर मैं इसे अब और नहीं देख सकती क्योंकि यह मुझे एक अलग इंसान बना रहा है लेकिन मैंने बस वही किया जो उन्होंने मुझसे कहा था। मोहित सर वास्तव में जानते हैं कि उन्हें क्या चाहिए और वह हर किसी के जीवन को आसान बनाते हैं।

दिशा पटानी इससे पहले मोहित सूरी की फिल्म मलंग में अपने अभिनय के लिए नजर आ चुकी हैं। यह दूसरी बार है जब उन्हें उनके द्वारा किसी प्रोजेक्ट के लिए चुना गया है। मैं मलंग में मोहित सर के साथ काम करने के लिए वास्तव में भाग्यशाली हूं। उन्होंने मुझे बाहर जाने के लिए प्रेरित किया। मुझे शैली पसंद है और मैं और भी अधिक पसंद करूंगी। यह उनके साथ मेरी दूसरी फिल्म है।

रामचरण के साथ 'आरसी15' का अनुभव काफी अनूठा: कियारा आडवाणी

हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म 'जुग जुग जीयो' और 'भूल भूलैया 2' की सफलता का लुत्फ उठा रहीं कियारा आडवाणी ने कहा कि तेलुगू अभिनेता राम चरण अभिनीत और एस. शंकर द्वारा निर्देशित उनकी पहली अखिल भारतीय परियोजना, 'आरसी15' उनके लिए काफी अनूठा अनुभव रहा है।

लुक से लेकर कहानी की दुनिया तक, यह उनके लिए एक बहुत ही अलग यात्रा थी, और वह सबसे रोमांचक हिस्सा था।

कियारा ने बताया, हालांकि मुझे अभी कहानी और अपने किरदार के बारे में ज्यादा खुलासा करने की इजाजत नहीं है, लेकिन मैं कह सकती हूं कि यह पूरी तरह से एक अलग दुनिया है। हम जानते हैं कि शंकर सर प्रतिभाशाली हैं, वह किसी भी कहानी और चरित्र को बदल सकते हैं। जीवन से बड़ा है। वह एक जादूगर की तरह है और उसके साथ काम करना मेरे लिए बहुत बड़ा सबक है।

उन्होंने कहा, मैं सेट पर एक स्पंज की तरह हूं, लगातार अपने आस-पास होने वाली हर चीज को देख रही हूं। हम पिछले साल नवंबर से शूटिंग कर रहे हैं और मैं जल्द ही अपने अगले शेड्यूल के लिए जाऊंगी। यह मेरी पहली अखिल भारतीय फिल्म है, मैं बहुत उत्साहित हूं।

कई पुरस्कार विजेता तमिल निर्देशक शंकर अपनी फिल्मों 'जेंटलमैन', 'जीन्स', 'इंडियन' और '2.0' के लिए जाने जाते हैं।

उदाहरण के लिए, उनकी पिछली बड़ी फिल्मों, 'कबीर सिंह' और 'शेरशाह' से लेकर, 'भूल भुलैया 2' तक, उनके द्वारा निभाए गए प्रत्येक किरदार का एक अलग रूप है। कियारा ने बताया कि, किरदार के लिए एक लुक बनाना उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

कियारा ने कहा, मुझे लगता है कि लेखक और निर्देशक से आने वाली समग्र कल्पना का पहला श्य संदर्भ हमें चरित्र का रूप है। तो देखो मेरे लिए एक मुखौटा की तरह है जिसे मैं पहनती हूं और यह मुझे उस दुनिया में ले जाती है। फिर उसने उदाहरणों का हवाला दिया कि यह उसके लिए कैसे काम करता है।

उन्होंने कहा, नेटफ्लिक्स ओरिजिनल, 'गिल्टी' से नानकी के मेरे बहुत अलग लुक में से एक। वह एक चरित्र के रूप में मेरे लिए बहुत अलग थी लेकिन उसके लुक ने मुझे उसे निभाने में मदद की। नानकी के शरीर पर टैटू था, उसका हेयर स्टाइल, उसका कपड़े और पूरी उपस्थिति इतनी जंगली थी। यह चरित्र के रंगरूप और अनुभव के कारण था, मैंने शरीर की भाषा को सही पाया।

वह आगे कहती हैं, दूसरी ओर, 'शेरशाह' में डिंपल चीमा और 'कबीर सिंह' में प्रीति के वे दो किरदार ननकी के विपरीत थे।

प्रीति के किरदार के लिए, मेरा लुक नो-मेकअप था क्योंकि संदीप सर (संदीप वांगा, निर्देशक) ने मुझे बताया कि वह कबीर के बिल्कुल विपरीत है और यह विपरीत लोगों के बीच एक प्रेम कहानी थी।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक:
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा